इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बुधवार, 7 मई 2025
जो व्यक्ति भी विकास के लिए खड़ा है उसे हर एक रूढ़िवादी चीज की आलोचना करनी होगी, उसमें अविश्वास करना होगा तथा उसे चुनौती देनी होगी।
-भगत सिंह
वर्ष 17 अंक 241 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12
तापमान - अधिकतम 35.1°C (-4.8) न्यूनतम 23.3°C(+2.0) सेंसेक्स 80,641.07 (-155.77) निफ्टी 24,379.60 (-81.55) सोना 98,610 चांदी 96,000 मुद्रा - डालर 84.32 दिरहम 22.96 रियाल 22.48

एरा विवि में विश्व अस्थमा दिवस पर हुआ कार्यक्रम

लखनऊ (सं)। विश्व अस्थमा दिवस 6 मई को एरा विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेस्पाइरेटरी मेडिसिन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि अस्थमा एक श्वसन रोग है, जिसमें वायुमार्ग में सूजन और संकुचन होता है। इससे घरघराहट, खांसी, सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। यह सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है। अगर इसका ठीक से इलाज न किया जाए तो यह उनके जीवन की गुणवत्ता को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

भारत में अस्थमा के 35 मिलियन रोगी

अस्थमा के मुख्य ट्रिगर पराग, धूल के कण, कीड़े, जानवरों की रूसी, फंगस, दवाएं, खाद्य पदार्थ और पर्यावरणीय कारक जैसे बाहरी और आंतरिक वायु प्रदूषण और तंबाकू का धुआं अस्थमा को बढ़ा सकते हैं। बच्चों में अस्थमा का प्रचलन 3.38 प्रतिशत और वयस्कों में 2.12 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह बच्चों में सबसे आम पुरानी बीमारी है। भारत में अस्थमा के 35 मिलियन रोगी हैं। अस्थमा के कारण भारत में लगभग 2,00,000 यानि 46 प्रतिशत मौतें होती हैं जो कि सबसे अधिक है। अध्ययनों से पता चला है कि मृत्यु का मुख्य कारण अस्थमा का कम निदान और श्वसनी मार्ग की सूजन को नियंत्रित करने के लिए मुख्य उपचार, इनहेल्ड स्टेरॉयड का अपर्याप्त उपयोग है।

प्रोफेसर प्रसाद ने बताया कि अस्थमा एक इलाज योग्य बीमारी है और अस्थमा के मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं बशर्ते डॉक्टरों की सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवाएं लें। उन्होंने कहा कि अस्थमा प्रबंधन में इनहेलर थेरेपी मुख्य आधार है लेकिन अस्थमा के प्रबंधन में इनहेलर के उपयोग को लेकर मरीजों में बहुत डर है। डॉक्टरों, रोगियों और उनके परिचारकों को सलाह दी जाती है कि वे प्रत्येक चिकित्सा जांच के दौरान पर उचित इनहेलर तकनीक सीखें ताकि इनहेलर का उचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इन्हेलर के अनुचित उपयोग से बार-बार अस्थमा का दौरा पड़ता है और यहां तक कि मृत्यु भी हो जाती है। गीना ने 2024 विश्व अस्थमा दिवस की थीम के रूप में इन्हेलर थेरपी को सभी के लिए सुलभ बनाना को चुना है। यह विषय डॉक्टरों, रोगियों और समग्र रूप से समाज के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर देता है और अस्थमा रोगियों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी समाधान करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर प्रकाश डालता है कि अस्थमा से पीड़ित हर कोई आसानी से सांस ले सके और पूर्ण रूप से सक्रिय जीवन जी सके। विश्व अस्थमा दिवस अस्थमा के बारे में जागरूकता और समझ बढ़ाकर इस स्थिति से जुड़े कलंक को कम करने में मदद करता है। यह अस्थमा के बारे में खुली चर्चा को प्रोत्साहित करता है और अस्थमा से पीड़ित व्यक्तियों के लिए स्वीकृति और समर्थन को बढ़ावा देता है।